परमात्म ऊर्जा

कमी को दूर करने का सहज साधन

जो भी संकल्प आए, पहली बात, वह संकल्प बाप को तुरंत अर्पण कर दो। दूसरी बात, जो भी कमी-कमज़ोरी का संकल्प आए, उसको खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्प करो और तीसरी बात, मैं बाप का और बाबा मेरा। जब "मेरा बाबा" कहा तो मेरे ऊपर अधिकार होता है न, अधिकारी स्वरूप में स्थित होंगे तो अधीनता ऑटोमेटिकली निकलती जाएगी। सदा नशा रखो - विश्व के मालिक का मैं बालक हूँ, बालक सो मालिक भी हूँ। जब विश्व का रचयिता सर्वशक्तिवान मेरा साथी बन गया तो वहाँ क्या होगा? विजय ही होगी। अपनी ज़िम्मेदारी बाप को दे दो और स्वयं को हल्का रखो। जब ज़िम्मेदारी बाप को दे दी तो फरिश्ते बन गए ना! इतनी सहज बात तब कर नहीं पाते, तब मुश्किल अनुभव करते हैं। भक्ति में कहते थे, सब कर दो राम हवाले। जबकि अब राम के हवाले करने का समय आया है फिर क्यों नहीं करते हो? क्यों, क्या की हवालात में क्यों जाते हो? मेरा स्वभाव, मेरा संस्कार, मेरी वृत्ति... यह सब मेरा-मेरी कहाँ से आया? अगर मेरा-मेरी खत्म तो मुश्किलात भी खत्म।

मास्टर ज्ञानसूर्य बन कमज़ोरियों को भस्म करो

भस्म करना अर्थात् भस्म बना देना, बिल्कुल खत्म कर देना। राख को भस्म भी कहते हैं, यह भस्म बेहद की वैराग्य वृत्ति की निशानी है। सूर्यवंशी का कर्तव्य है- सिर्फ अपनी नहीं लेकिन औरों की भी कमी-कमज़ोरियों को भस्म कर देना, इतनी शक्ति है ना। जैसे सूर्य की शक्ति से और कोई शक्ति है क्या? चंद्रमाँ के ऊपर सूर्य है, परन्तु सूर्य के ऊपर तो और कोई नहीं है ना। चंद्रमाँ में भस्म करने की शक्ति नहीं है लेकिन सूर्य में भस्म करने की शक्ति है। ऐसे ही अब आप भी मास्टर ज्ञान सूर्य बनकर स्वयं की और सर्व की कमी-कमज़ोरियों को भस्म करो और कराओ।

मेहनत की जीत

एक छोटे से गाँव में मोहन नाम का लड़का रहता था। उसका परिवार बहुत गरीब था। उसके पिता खेतों में मजदूरी करते थे और माँ घरों में काम करके परिवार चलाती थीं। मोहन पढ़ाई में बहुत होशियार था, लेकिन गरीबी के कारण उसे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

कई बार ऐसा होता था कि उसके पास स्कूल की फीस भरने के पैसे नहीं होते थे। किताबें खरीदने के लिए भी उसे दूसरों की पुरानी किताबों का सहारा लेना पड़ता था। फिर भी मोहन ने कभी हार नहीं मानी। वह रोज़ सुबह जल्दी उठकर पढ़ाई करता और स्कूल से आने के बाद अपने पिता के साथ खेतों में काम भी करता था।

गाँव के कई लोग उसका मज़ाक उड़ाते थे। वे कहते थे कि इतनी गरीबी में पढ़कर क्या होगा। लेकिन मोहन ने किसी की बात पर ध्यान नहीं दिया। वह हमेशा सोचता था कि शिक्षा ही उसके जीवन को बदल सकती है।

समय बीतता गया। मोहन ने अपनी मेहनत जारी रखी। जब बोर्ड परीक्षा का समय आया तो उसने दिन-रात पढ़ाई की। आखिरकार परीक्षा का परिणाम आया और पूरे जिले में मोहन ने पहला स्थान प्राप्त किया।

यह खबर सुनकर उसके माता-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। गाँव के लोग भी हैरान रह गए। मोहन को आगे की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति मिल गई।

कई सालों बाद वही मोहन एक बड़ा अधिकारी बन गया। उसने अपने गाँव में एक स्कूल भी खुलवाया ताकि गरीब बच्चों को पढ़ाई में कठिनाई न हो।

सीख : मेहनत और दृढ़ निश्चय से कोई भी व्यक्ति अपने जीवन की परिस्थितियों को बदल सकता है।

शिक्षक की सीख ने सफल बनाया

राहुल का सपना था कि वह एक बड़ा इंजीनियर बने। उसने इस लक्ष्य को पाने के लिए बहुत मेहनत की। लेकिन जब उसने पहली बार प्रतियोगी परीक्षा दी, तो वह असफल हो गया।

यह असफलता उसके लिए बहुत बड़ा झटका थी। उसे लगा कि शायद वह इस लक्ष्य के योग्य नहीं है। वह कई दिनों तक उदास रहा और पढ़ाई से मन हट गया।

एक दिन उसके शिक्षक उससे मिलने आए। उसने राहुल को समझाया कि असफलता सफलता की पहली सीढ़ी होती है। अगर हम अपनी गलतियों से सीख लें, तो अगली बार सफलता जरूर मिलती है।

राहुल ने अपने शिक्षक की बात को गंभीरता से लिया। उसने फिर से पढ़ाई शुरू की और इस बार अपनी कमजोरियों पर विशेष ध्यान दिया।

एक साल बाद उसने दुबारा परीक्षा दी। इस बार उसका चयन हो गया।

सीख : असफलता हमें हार मानने के लिए नहीं, बल्कि बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है।

जबलपुर-कटंगा कॉलोनी(म.प्र.)। इंटरनेशनल वुमेन्स डे पर 'वंदे मातरम्-स्वर्णिम भारत' कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. विमला दीदी। मंचासीन हैं अमृतसिटी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. दिव्या संचय, इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया अध्यक्ष,सी.ए. चांदनी चोइथानी, आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान की शिक्षिका डॉ. रीना महोबिया, संगीत अकादमी पुरस्कार विजेता शिक्षिका तापसी नागराज एवं ब्र.कु. विनीता।

बीदर-रामपुरे कॉलोनी(कर्नाटक)। ब्रह्माकुमारीज़ राजऋषिवन रिट्रीट सेंटर में होली पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. जयसिम्हा,इंडिया वन सोलर प्रोजेक्ट निदेशक,माउंट आबू, राजयोगिनी ब्र.कु. सुमंगला दीदी,राजऋषिवन निर्देशिका, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुनंदा दीदी, डॉ. वैजनाथ कमठाने,संचालक कमठाने इंटरनेशनल स्कूल, शिव शरणप्पा वाली,वरिष्ठ पत्रकार, डॉ. चंद्रकांत गुदगे जनरल फिजिशियन, डॉ. हमनशेट्टी,एमडी फिजिशियन, डॉ. आनंदराव,चिल्ड्रेन स्पेशलिस्ट, शिवराज पाटिल,संचालक वंदे मातरम् इंटरनेशनल स्कूल, संतोष पाटिल तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति की उपस्थिति रही।

जबलपुर-धनवन्तरी नगर(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अंतर्गत 'वंदे मातरम्-स्वर्णिम भारत' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन द्वारा शुभारम्भ करते हुए प्रोफेसर व कैंसर रोग विशेषज्ञ श्याम रावत, समाज सेविका उषा पटेल, गौ रक्षा समिति अध्यक्ष, प्राचार्य गुरुकुल विद्यालय एंजेला चतुर्वेदी तथा अन्य ब्रह्माकुमारी बहनें।

बार्शी-महा.। महाशिवरात्रि महोत्सव में शिवध्वजारोहण के पश्चात् परमात्म स्मृति में उपनगराध्यक्ष रोहित पाटिल, नगरसेविका कांचन मोहिते, ब्र.कु. संगीता, ब्र.कु. मीरा, ब्र.कु. निशा, ब्र.कु. अनीता तथा अन्य।

नरसिंहपुर-म.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं रंगोत्सव पर्व पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी दिव्य संस्कार भवन में आयोजित दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, वरिष्ठ समाज सेविका,पूर्व नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती संध्या कोठारी, पैथोलॉजिस्ट,डॉ. स्वाति मीणा, नारी कल्याण समिति सदस्य श्रीमती ज्योति चौहान, पैथोलॉजिस्ट डॉ. प्रियंका नेमा, भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्षा श्रीमती निशा सोनी, रिटायर्ड प्रो. श्रीमती चित्रा द्विवेदी, पूर्व अध्यक्ष लीनस क्लब एवं संस्थापिका माँ दुर्गा मंडल श्रीमती ज्योति तिवारी, ब्रह्माकुमारीज़ जिला संचालिका ब्र.कु. कुसुम एवं मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. पूजा,जबलपुर।

नांदेड़-महा.। इंटरनेशनल वुमेंस डे पर कैलासनगर एवं वजीराबाद की ओर से आयोजित कार्यक्रम में जिला जेल अधीक्षक संपत आडे, जेल अधिकारी कालवाडे, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शिवकन्या, ब्र.कु. जयमाला,कैलासनगर तथा अन्य की उपस्थिति रही।

[illegible]